सेमिनार आख्या

प्रस्तावना

भारत आज पारंपरिक सुरक्षा प्रतिमानों के साथ साथ असंख्य गैर–पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों के चौराहे पर खड़ा है। ''भारत में गैर–पारंपरिक सुरक्षा मुद्दे'' विषय पर आयोजित इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ने एक प्रबुद्ध मंच के रूप में काम किया, जो पारंपरिक सैन्य चिंताओं के अतिरिक्त उभरते गैर पारंपरिक सुरक्षा खतरों और कमजोरियों से जुड़ी जटिलताओं को सुलझाने के लिए आयोजित किया गया था। दो दिवसीय इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में राष्ट्र के सामने आने वाली गैर–पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों के विविध स्पेक्ट्रम पर विचार–विमर्श करने के लिए सम्मानित विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, और विद्वानों को एक साथ लाने का प्रयास किया गया है।

इस संगोष्ठी का उद्देश्य केवल इन चुनौतियों की पहचान करना ही नहीं था, बल्कि उनकी बारीकियों, निहितार्थों और भारत के हितों की रक्षा करने और जनता की भलाई सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रणनीतियों की अनिवार्य आवश्यकता पर गहराई से विचार करना था। विविध गैर–पारंपरिक सुरक्षा मुद्दों के प्रतिच्छेदन की खोज करके, संगोष्ठी का उद्देश्य एक व्यापक समझ को बढ़ावा देना और अनुशासनात्मक सीमाओं से परे सार्थक संवाद को बढ़ावा देना है।इस संगोष्ठी में हमारे सम्मानित वक्ता और प्रतिभागी अमूल्य व्यावहारिक अनुभव साझा करते रहे।

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र 03 फरवरी 2024 की प्रातः 10:00 बजे प्रारम्भ हुआ। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ बी0 के0 दुबे द्वारा किया गया। संगोष्ठी के चेयर पर्सन के रूप में मैडम कुमकुम स्वरूप सचिव, प्रबंध समिति डी.ए–वी. कॉलेज, कानपुर मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में एम्बेसडर डा0 दीपक वोहरा लेसाथो और गिनी–बिसाऊ के प्रधानमंत्रियों के वि"ोष सलाहकार विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो0 विवेक द्विवेदी, ब्रहानन्द कालेज, कानपुर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अरुण कुमार दीक्षित, डी.ए–वी. कॉलेज, कानपुर के साथ इस राष्ट्रीय सेमिनार के संयोजक एवं आयोजन सचिव डा0 अभय राज सिंह के साथ इस सत्र का प्रारम्भ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माननीय अतिथियों द्वारा सरस्वती जी के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत उदबोधन प्रोफेसर अरुण कुमार दीक्षित, प्राचार्य डी.ए–वी. कॉलेज द्वारा किया गया। इस क्रम में संगोष्ठी से संबंधित संपादित पुस्तक ''भारत में गैर–पराम्परागत सुरक्षा मुद्दे'' (Non-Traditional Security Issues in India) का विमोचन सम्मानित मंच द्वारा किया गया। आयोजन सचिव द्वारा इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का परिचय प्रस्तुत किया गया, कीनोट ऐड्रेस मुख्य वक्ता एम्बेसडर डा0 दीपक वोहरा द्वारा दिया गया। प्रथम तकनीकी सत्र का प्रारम्भ 12:00 बजे से किया गया। इसकी अध्यक्षता एम्बेसडर डा0 दीपक वोहरा द्वारा किया गया। इस सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो0 विजय खरे, पुणे वि"वविद्यालय अपने अनुभवनों को साझा किया। इस सत्र में 1Cyber security and Information Warfare 2- Energy Security

and Preparedness of India 3- Challenges of Narratives (Social, Political, Cultural etc.) थीम पर परिचर्चा की गयी। इस सत्र मे 4 ि"ाक्षकों एवं शोधार्थियों द्वारा उक्त थीमों पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत कियें। इस सत्र का समापन 2 बजे भोजनावका"ा की घोषणा के साथ की गयी।

द्वितीय तकनीकी सत्र अप्राहन 3:00 बजे महाविद्यालय के सभागार मे प्रारम्भ किया गया। इस सत्र में 1-Environmental Security and Climate Change 2-Public Health and Pandemic Preparedness थीमों परिचर्चा की शुरूवात प्रो0 ओमकार सिंह, प्रचार्य गोचर महाविद्यालय रामपुर, मनिहारन की अध्यक्षता में की गयी। इस सत्र में मुख्यवक्ता के रूप में डॉ0 पंकज कुमार वर्मा, डी.एस. कालेज महाविद्यालय द्वारा सूचना युद्ध के प्रमुख पहलुओं पर प्रका"ा डाला गया। साथ ही द्वितीय वक्ता के रूप में प्रो0 विनोद मोहन मित्रा, डी0 ए–वी0 कालेज, महाविद्यालय ने गैर परम्परागत सुरक्षा मुद्दों पर अपने विचारों को प्रस्तुत किया। इस सत्र में कुछ शोधार्थियों ने सम्बन्धित थीमों पर आधारित अपने शोधपत्रों को प्रस्तुत किया।

इस सत्र का समापन सांयः 4:30 बजे राष्ट्रगान के साथ किया गया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन की शुरूवात तृतीय तकनीकी सत्र के साथ 4 फरवरी की प्रातः 09:30 पर की गयी।

आज दिनांक 04 फरवरी 2024 को डी.ए–वी. कॉलेज के प्रांगण में हो रहे दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के दूसरे दिन का प्रारम्भ प्रातः 09:00 बजे तृतीय सत्र के शुभारंभ के साथ डॉ0 नागेन्द्र स्वरूप मेंमोरियल लेक्चर हॉल में किया गया। सत्र का प्रारम्भ डॉ0 अमरेन्द्र प्रताप गोंड द्वारा अतिथियों का स्वागत उद्बोधन द्वारा किया गया। 1-Migration and Border Security 2-Terrorism and Radicalizationपर आधारित इस तकनीकी सत्र की शुरुआत चेयर पर्सन प्रो0 आ"ाुतोष सक्सेना द्वारा की गई।

इस तकनीकी सत्र की प्रथम मुख्य वक्ता Col(Dr.) Anjani Mishra ने अपने प्रस्तुति भारत की सइबर सुरक्षा से सम्बन्धित विषयों पर विस्तार से चर्चा की। द्वितीय वक्ता के रूप में प्रो0 प्र"ाान्त अग्रवाल, इलाहाबाद वि"ावविद्यालय ने अपने अमूल विचार हमारे समक्ष रखें। इस सत्र में 5 शोध पत्रों को भी प्रस्तुत किया गया। सत्र का समापन स्वाअलपाहार के साथ किया गया।

चतुर्थ सत्र का प्रारम्भ शुभारंभ 11:00 बजे महाविद्यालय के CL 3 सभागार में हुआ। सत्र का प्रारम्भ डॉ0 आ"ाुतोष सक्सेना द्वारा अतिथियों का स्वागत उद्बोधन द्वारा किया गया। 1-Human Security, Gender and Human Rights 2-Food Security and Agricultural Challenges 3-Disaster Risk Reduction and Resilience पर आधारित इस तकनीकी सत्र की शुरुआत चेयर पर्सन प्रो0 सुधीर श्रीवास्तव द्वारा की गई।

इस सत्र के प्रथम मुख्य वक्ता के रूप में प्रो0 जे0के0 पाण्डेय द्वारा बागाजुर्ना राजकीय विज्ञान महाविद्यालय छत्तीसगढ़, नक्सलवाद को एक गैर परंपरागत सुरक्षा समस्या के रूप में प्रस्तुत किया गया।

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के विचार मंथन द्वारा हमें कुछ प्रमुख निष्कर्ष प्राप्त हुए है। जिसको आप लोगो के साथ साझा करना मेरा उत्तरदायित्व है।

प्रमुख निष्कर्ष

- इस संगोष्ठी में विभिन्न गैर–पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों के बीच जटिल अंतर्संबंध पर प्रकाश डाला गया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि कैसे जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक–आर्थिक असमानताएं जैसे मुद्दे आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं।
- साइबर सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे और सामाजिक–आर्थिक असमानताओं को संबोधित करने वाली व्यापक राष्ट्रीय नीतियों की आवश्यकता पर बल देते हुए विभिन्न क्षेत्रों में नीतिगत सुधारों की अनिवार्यता को मान्यता दी गई।
- राष्ट्रों के बीच साझा जिम्मेदारियों और संयुक्त प्रयासों की वकालत करते हुए,अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया।
- तकनीकी नवाचार और नियामक ढांचे के बीच नाजुक संतुलन पर प्रकाश डाला गया, साइबर सुरक्षा और प्रौद्योगिकी प्रगति में नैतिक और सुरक्षित प्रथाओं को सुनिश्चित करने के साथ–साथ नवाचार की आवश्यकता पर बल दिया गया।
- इन चुनौतियों से निपटने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि और टिकाऊ रणनीतियों को अपनाने के महत्व पर जोर दिया गया।

सिफारिशें

- नीति निर्माताओं को साइबर सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे और सामाजिक–आर्थिक असमानताओं को संबोधित करने वाली व्यापक रणनीतियाँ बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- उभरते साइबर खतरों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों में निवेश, उन्नत डेटा सुरक्षा कानून और क्षमता निर्माण सहित मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों की आवश्यकता पर जोर दें।
- नवीकरणीय ऊर्जा, टिकाऊ प्रथाओं और आपदा तैयारियों में निवेश सहित जलवायु अनुकूलन और शमन रणनीतियों का प्रभावी कार्यान्वयन सुनि"चित किया जाये।

- सामाजिक–आर्थिक असमानताओं को कम करने, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छ पानी और स्वच्छता तक पहुंच सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करने वाली समावेशी नीतियों का प्रस्ताव करें, जिससे मानव सुरक्षा बढ़े और कमजोरियां कम हों।
- प्रौद्योगिकी के नैतिक उपयोग पर जोर देते हुए नवाचार को प्रोत्साहित करें। नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास में निवेश बढ़ाने का सुझाव दें।
- इन सिफारिशों का उद्देश्य, समावेशिता, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत में गैर–पारंपरिक सुरक्षा मुद्दों के समाधान के लिए कार्रवाई योग्य रणनीति और नीतिगत सुझाव प्रदान करना है।